Jijñāsā

A JOURNAL OF THE
HISTORY OF IDEAS AND CULTURE

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certified that the article entitled

औद्योगिक क्षेत्र में निवासित परिवारों के स्वास्थ्य पर पर्यावरण प्रदूषण का प्रभाव

Authored By

डॉ० अनीता अवस्थी

असिस्टेंट प्रोफेसर समाज कार्य विभाग, सी०एस०जे०एम० विश्वविद्यालय कानपुर उत्तर प्रदेश

Published in Vol. 38, No.04 : 2021
Jijnasa with ISSN : 0337-743X
UGC Care Group 1 Journal

University Grants Commission
Approved Journal

Dr. Pramila Poonia
Head, Department , History & Indian Culture
Modern History

Jijnasa

ISSN : 0337-743X

"औद्योगिक क्षेत्र में निवासित परिवारों के स्वास्थ्य पर पर्यावरण प्रदूषण का प्रभाव"

डॉ० अनीता अवस्थी

असिस्टेंट, प्रोफेसर समाज कार्य विभाग, सी०एस०जे०एम० विश्वविद्यालय कानपुर, उत्तर प्रदेश

ई-मेल: anitawasthis@gmail.com, मोबाईल: **6306827962**

सारांश

मानव की उत्पत्ति के समय से ही इसके चारों ओर पर्यावरण विद्यमान रहा है। मनुष्य ने धीरे–धीरे विकास करना प्रारम्भ किया और पर्यावरण का प्रभाव मानव के विकास को प्रेरित करता गया। परन्तु ऐसा नहीं है कि पर्यावरण का ही मानव पर प्रभाव रहा है। मानवीय सभ्यताओं के विकास ने पर्यावरण पर भी अपना प्रभाव डाला और मानवीय सभ्यताओं का विकास होता चला गया। आधुनिक मानव ने पर्यावरण को अपने अनुसार बदलना प्रारम्भ कर दिया। विकसित देशों की औद्योगिक क्रान्ति ने आधुनिक यन्त्रों का निर्माण करना प्रारम्भ किया। फलस्वरूप प्राकृतिक संसाधनों का शोषण अत्यधिक बढ़ा और प्राकृतिक असंतुलन उत्पन्न हुआ। विश्व की आबादी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है। बढ़ती हुई आबादी की पोषण समस्या के निवारण के लिए हरित क्रान्ति आयी जिसके फलस्वरूप जैविक विविधता का ह्रास प्रारम्भ हुआ। यंत्रीकरण बढ़ने के साथ–साथ प्रदूषण भी बढ़ा। कीटनाशक दवाईयों के लगातार उपयोग से विभिन्न प्रकार के कीट तो नष्ट हुए परन्तु मानव का स्वास्थ्य प्रभावित होता चला गया और वन औषधि का विनाश भी विभिन्न तरीकों से किया गया। मानव महामारियों की चपेट में आता गया तथा उसकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती गई। मानव विकास के अन्धे कुएँ मे गिरता गया और अपने चारो ओर के पर्यावरण का विनाश बड़ी तेजी के साथ करता गया। अतः पर्यावरण और मानव के सम्बन्धों में जो विपन्नता उत्पन्न हो रही है उसके परिणाम स्वयं मनुष्य को ही भुगतने पड़ेगे।

संकेत शब्द

औद्यागिकरण, प्राकृतिक संसाधन, जैव विविधता, अम्ल वृष्टि, जीवाश्म ईंधन, टी0बी0, एलर्जी, परिस्थितिकी विषमताओं, अपशिष्ट पदार्थ, ब्रोकाइंटिस और सिलिकोसिस।

प्रस्तावना